

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME

Term-End Examination

December, 2012

**ELECTIVE COURSE : SOCIOLOGY
ESO-05/15 : SOCIETY AND RELIGION**

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

Note : Answer the questions from all three sections as per the instructions given.

SECTION-I

Answer *any two* of the following questions in about **500** words each.

1. Critically examine the significance of the functionalist approach to the study of religion. 20
2. Explain the relationship between religion and politics with suitable examples. 20
3. Discuss the concept of 'secularization' and its emergence as a social process. 20
4. Analyze the social significance of pilgrimages in India. 20

SECTION-II

Answer *any four* of the following questions in about 250 words each.

5. Describe 'Slametan' as a core ritual in Javanese religion. 12
6. 'Religion determines the economic order of society'. Discuss critically. 12
7. Explain the theological and metaphysical bases of Hinduism. 12
8. Discuss the social and political background of the emergence of Buddhism in India. 12
9. Explain the significance of religious symbols in society. 12
10. Elaborate the relation between religion and magic with suitable illustrations. 12

SECTION-III

Answer *any two* of the following questions in about 100 words each.

11. Examine the religious significance of life-cycle rituals. 6
 12. Discuss the notion of worldly asceticism. 6
 13. Discuss the concept of civil religion. 6
-

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2012

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : समाजशास्त्र

ई.एस.ओ.-05/15 : समाज और धर्म

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : सभी तीन भागों के प्रश्नों के उत्तर, निर्देशानुसार दीजिए।

भाग-I

इस भाग से *किन्हीं दो* (प्रत्येक) प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. धर्म के अध्ययन में प्रकार्यवादी उपागम के महत्व की आलोचनात्मक जाँच कीजिए। 20
2. धर्म और राजनीति के संबंध का वर्णन, उचित उदाहरणों से कीजिए। 20
3. लौकिकीकरण की संकल्पना तथा सामाजिक प्रक्रिया के रूप में इसके उद्भव की चर्चा कीजिए। 20
4. भारत में तीर्थयात्राओं के सामाजिक महत्व का विश्लेषण कीजिए। 20

भाग-II

इस भाग से **किन्हीं चार** (प्रत्येक) प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए।

5. जवानीज़ धर्म में मूल अनुष्ठान के रूप में 'सेलेमेटन' (Slametan) का वर्णन कीजिए। 12
6. 'धर्म, समाज के आर्थिक क्रम का निर्धारण करता है' - आलोचनात्मक चर्चा कीजिए। 12
7. हिंदूवाद के धर्मशास्त्रीय और तात्विक आधारों का वर्णन कीजिए। 12
8. भारत में बौद्धधर्म के उद्भव की सामाजिक और राजनीतिक पृष्ठभूमि की चर्चा कीजिए। 12
9. समाज में धार्मिक प्रतीकों के महत्व का वर्णन कीजिए। 12
10. धर्म और जादू के संबंध का वर्णन, उचित उदाहरणों सहित कीजिए। 12

भाग-III

इस भाग से *किन्हीं दो* (प्रत्येक) प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए।

11. जीवन-चक्र अनुष्ठानों के धार्मिक महत्व की जाँच कीजिए। 6
12. सांसारिक यतित्ववाद की धारणा की चर्चा कीजिए। 6
13. नागरिक धर्म की संकल्पना की चर्चा कीजिए। 6
